हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

11 2.58 लाख टन की खरीद किसानों को 313 करोड़ का



12 रतिया के 25 से अधिक गांवों में ओलावृष्टि से हजारों एकड़ फसल बर्बाद



खबर संक्षेप

पीएम फसल बीमा योजना में घोटाले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा राशि में की गई भारी धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में थाना भूना पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान राजबीर पुत्र सोहलू राम निवासी गांव जांडली कलां के रूप में हुई है। आरोपी पर किसी अन्य किसान की हक की फसल बीमा राशि अपने और अपनी पत्नी के बैंक खातों में ट्रांसफर करवाने का गंभीर आरोप है।

पुलिस ने अवैध पिस्तौल सहित आरोपी को दबोचा

ओढां। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान जगदेव सिंह को अवैध पिस्तौल सहित काबू किया है। पुलिस के अनुसार गश्त पड़ताल के दौरान कार्रवाई करते हुए गांव घुकांवाली से आरोपी जगदेव सिंह को काबू किया। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 12 बोर अवैध पिस्तौल बरामद हुआ। आरोपी जगदेव सिंह के खिलाफ थाना ओढ़ा में आम्र्ज एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पति काबू

फतेहाबाद। महिला को आत्महत्या के लिए मजबूर करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के मामले में थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सतीश पुत्र बलदेव सिंह निवासी गांव जांडवाला सोत्तर के रूप में हुई है।

दीपावली पर अग्निसुरक्षा की चुनौती, विभाग के 30% पद खाली

लोहे के पोल से रास्ते संकरे, आग लगी तो कैसे पहुंचेगी 'दमकल'

थाना रोड पर समस्या, स्कूल बसों के समय और शाम को लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

दीपावली पर शहर के बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ के बीच इस बार अग्निसुरक्षा की चुनौती और बढ़ सकती है। शहर की मुख्य थाना रोड पर यातायात व्यवस्था सुधारने के नाम पर नगर परिषद ने सड़क के बीच लोहे के पोल गाड़ दिए हैं। इससे सड़क संकरी हो गई है और स्कूल बसों के आने-जाने के समय के साथ शाम को भी जाम लगने लगा है। ऐसे में दीपावली पर बाजारों में भीड़ बढ़ने के बाद यातायात व्यवस्था का क्या हाल होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि किसी दुकान में आग लग गई तो संकरे रास्ते से दमकल की गाड़ी मौके तक कैसे पहुंचेगी। नगर परिषद इस व्यवस्था पर आठ लाख रुपये से अधिक खर्च कर चुकी है। दरअसल, लोहे के पोल गाढ़ने का व्यापार मंडल ने तो कड़ा विरोध किया था लेकिन नगरपरिषद ने दुकानदारों की एक नहीं मानी और सड़क के बीचों-बीच रातों-रात पोल गाढ़ दिए। अब दुकानदारों के मन में सवाल है कि उनकी दीपावली कैसे बीतेगी। दिवाली के दौरान बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। दुकानों के बाहर रखा सामान और ग्राहकों के वाहन पहले ही रास्तों को संकरा कर देते हैं। ऐसे में सड़क के बीच लगाए गए लोहे के पोल दमकल की गाडिय़ों की आवाजाही में अतिरिक्त बाधा बन सकते हैं। आग लगने की स्थिति में दमकल को मौके तक पहुंचने में देरी होने से नुकसान बढ़ने का खतरा रहता है। जहां बड़ी गाड़ियां नहीं पहुंच पातीं, वहां कर्मचारियों को पाइप बिछाकर आग बुझानी पड़ती है। इससे राहत कार्य में अतिरिक्त समय लगता है।



फतेहाबाद। जवाहर चौक से थाना रोड पर बीचों-बीच गाढ़े गए लोहे के पोल।

बाजारों में तैनात होंगी दमकल गाड़ियां

मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि पटाखों की बिक्री के निर्धारित स्थानों और मुख्य बाजारों में दमकल गाडियां तैनात की जाएंगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि देर रात छतों पर पटाखे चलाने से बचें, क्योंकि लोगों के सो जाने के बाद आग लगने की घटना का समय पर पता चलना मुश्किल हो सकता है। छतों पर कबाड़ जमा न करें, ताकि आग लगने का खतरा कम रहे। दीपावली पर आग की घटनाओं से निपटने के लिए विभाग की तैयारियां अपनी जगह हैं, लेकिन थाना रोड जैसे व्यस्त बाजारों में रास्ते बाधामुक्त रखना भी उतना ही जरूरी है। नगर परिषद और प्रशासन के सामने अब चुनौती है कि त्योहार के दौरान जाम न लगे और आपात स्थिति में दमकल की गाड़ियों को बिना देरी घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता मिल सके।

जिले में 201 में से 60 पद खाली

एक ओर बाजारों में दमकल की गाड़ियों के पहुंचने को लेकर चिंता है, वहीं दूसरी ओर अग्निशमन विभाग में कर्मचारियों की कमी भी चुनौती बनी हुई है। जिले के सात दमकल केंद्रों में 201 स्वीकृत पदों में से 141 पर कर्मचारी तैनात हैं, जबकि 60 पद खाली हैं। यानी करीब 30 प्रतिशत पद रिक्त हैं। हालांकि विभागीय तैयारियों के बीच कर्मचारियों की उपलब्धता और बाजारों तक गाड़ियों की पहुंच, दोनों अहम रहेंगे।

जिले में 19 दमकल गाड़ियां, एक खराब

जिले में आग बुझाने के लिए कुल 19 दमकल गाड़ियां बताई गई हैं। इनमें फतेहाबाद में छह, भट्टू में दो, भूना में एक, रतिया में तीन, धारसूल में दो और टोहाना में चार गाड़ियां शामिल हैं। जाखल में दो गाड़ियों में से एक खराब बताई गई है, जबकि दूसरी काम कर रही है। दीपावली के दौरान बढ़ते जोखिम को देखते हुए विभाग गाड़ियों की कमियां दूर करने में जुटा है। कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं, ताकि जरूरत पडऩे पर अधिक से अधिक स्टाफ उपलब्ध रहे।

सीवरेज ओवरफ्लो से खेत जलमग्न

■ किसान की कई एकड़ फसल बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

शहर के बुढ़लाड़ा रोड पर स्थित रामबाग के पास नगर पालिका प्रशासन की घोर लापरवाही का खामियाजा एक बार फिर स्थानीय किसान को भुगतना पड़ा है। क्षेत्र में सीवरेज लाइन ओवरफ्लो होने के कारण सीवरेज का दूषित पानी पास ही स्थित किसान रूपा सैनी के कई एकड़ खेत में घुस गया, जिससे खेत में खड़ी तैयार फसल जलमग्न होकर पूरी तरह बर्बाद हो गई है। पीड़ित किसान रूपा सैनी ने बताया कि देर रात आई बारिश के बाद सीवरेज लाइन का पानी उफान पर आ गया और सीधे उनके खेतों में भरने लगा। देखते ही देखते पूरा खेत गंदे पानी के तालाब में तब्दील हो गया और फसल उसमें डूब गई।



रतिया। बुढ़लाड़ा रोड पर रामबाग के पास ओवरफ्लो सीवरेज का गंदा पानी खेत से जनरेटर से निकालते हुए किसान। फोटो: हरिभूमि

कई बार करवाया अवगत, नहीं निकाला स्थायी समाधान

किसान रूपा सैनी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सीवरेज ओवरफ्लो की इस गंभीर समस्या को लेकर वे पहले भी कई बार नगर पालिका रतिया के अधिकारियों को लिखित व मौखिक रूप से अवगत करवा चुके हैं। इसके बावजूद आज तक समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया और न ही सीवरेज लाइन को दुरुस्त किया गया। प्रभावित किसान ने नगर पालिका प्रशासन और राज्य सरकार से गुहार लगाई है कि उनकी नष्ट हुई फसल का तुरंत सर्वे करवाकर उन्हें हुए लाखों रुपये के नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। किसान ने कहा कि कि यदि जल्द ही सीवरेज लाइन की मरम्मत नहीं की गई और उन्हें आर्थिक क्षतिपूर्ति नहीं मिली, तो वे इंसाफ के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने को मजबूर होंगे।

नशा तस्करों पर शिकंजा, नौ गिरफ्तार

■ आरोपियों के कब्जे से लाखों की हेरोइन बरामद की

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए जिले में नौ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों से लाखों रुपये की हेरोइन बरामद हुई है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने बताया कि टीम गांव जोगीवाली क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार युवक पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर तलाशी ली तो 13 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान संदीप कुमार के रूप में हुई है। गुरमेल सिंह के खिलाफ पहले भी नशा तस्करी सहित अन्य मामले दर्ज हैं। वहीं, कालांवाली पुलिस ने प्रतिबंधित गोलियों की बरामदगी के मामले में फरार मुख्य आरोपी दिवेश कुमार को गिरफ्तार किया। इसके अलावा हेरोइन तस्करी के मामले में फरार आरोपी विक्की को भी गिरफ्तार किया गया है।

हेरोइन सहित पकड़ा गया आरोपी।

11 ग्राम नशा पकड़ा

इसके अलावा सीआईए डबवाली पुलिस ने गांव घुकांवाली क्षेत्र से अमृतपाल सिंह को 11 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि इंद्रजीत सिंह ने अमृतपाल को हेरोइन सप्लाई की थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सप्लायर इंद्रजीत सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य कार्रवाई में सीआईए डबवाली पुलिस ने गांव रिसालिया खेड़ा क्षेत्र से अजमेर सिंह को आठ ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। इसके अलावा पुलिस ने गांव पक्का शहींदा क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार जसप्रीत सिंह व गुरमेल सिंह को 13 ग्राम हेरोइन सहित दबोचा है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य सप्लायर आरोपी महिला को भी गिरफ्तार कर लिया है।





खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।
फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!
वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...
उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..
मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?
हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...

इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।

दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...
मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!
म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!
मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!
आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!
देस का मन बढ़ाणा सीखो,
पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,
देस-धरम हो सबतै पहलम,
बच्चां नै समझाणा सीखो।
बलिदान नै सीस नवावो,
नहीं भूलकै कम तोल्लो..!
आओ भाणो मिलकै सारी,
दयानंद की जै बोल्लो...!!

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।
बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।
ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।
क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!
क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

सुधीर ढांडा



बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

दलबीर 'फूल'



बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

भारतीय संस्कारों व आध्यात्मिक जीवन का महत्व बताया

कनाडा में सत्संग के दौरान सनातन संस्कृति, नशामुक्ति और शाकाहार अपनाने का किया आह्वान

विदेश में रहकर भी भारतीय संस्कारों से जुड़े रहें युवा : स्वामी ध्यान प्रेमानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद स्थित श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम के वरिष्ठ संत और श्री गुरु मंदिर श्री नंगली तीर्थ, मेरठ के कोषाध्यक्ष स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज ने सत्संग के दौरान कहा कि विदेश में रहकर भी भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहना जरूरी है। मनुष्य रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए अपने देश से दूर जा सकता है, लेकिन उसे अपनी सांस्कृतिक जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। यह संदेश उन्होंने कनाडा, ओंटारियो के ब्रैम्पटन के बाद ब्रिटिश कोलंबिया के आयोजित सत्संग के दौरान भारतीय मूल के लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को दिया। सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए कनाडा प्रवास पर गए स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज ने युवाओं को भारतीय संस्कारों, आध्यात्मिक जीवन और गुरु भक्ति का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म केवल धार्मिक परंपराओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली एक सुंदर कला है। इसके सिद्धांत मनुष्य को संयम, सद्भाव, सेवा और नैतिकता के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं।



फतेहाबाद। कनाडा में स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज का स्वागत करते श्रद्धालु।

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को अपनाने पर जोर

सत्संग में महाराज ने युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने और शाकाहार जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने जीवन में अच्छे विचारों, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण को महत्व देना चाहिए। भारतीय संस्कारों और सनातन परंपराओं से जुड़कर वे न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि विदेशों में भी अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रख सकते हैं। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि समस्त विश्व को एक परिवार मानने का विचार भारतीय संस्कृति की विशेष पहचान है। आपसी प्रेम, सद्भाव और मानव सेवा की भावना से ही समाज में शांति और भाईचारा मजबूत हो सकता है। स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज ने कहा कि मनुष्य को जीवन में सुख हो या दुख, हर परिस्थिति में परमात्मा के नाम का जाप और सिमरन करते रहना चाहिए। परम पिता परमेश्वर की भक्ति तथा गुरु से प्राप्त नाम-शब्द का निरंतर सिमरन मन को शांति प्रदान करता है। ध्यान, भक्ति और आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रख सकता है। उन्होंने भारतीय मूल के लोगों को अपनी अगली पीढ़ी तक भारतीय संस्कारों और आध्यात्मिक परंपराओं को पहुंचाने के लिए प्रेरित किया, ताकि विदेश में जन्म लेने और पले-बढ़ने वाले बच्चे भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित रह सकें।

कई शहरों में होंगे सत्संग

स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज 14 अक्टूबर को कनाडा पहुंचे थे। वहां भारतीय मूल के लोगों ने उनका स्वागत किया। कनाडा प्रवास के दौरान ब्रैम्पटन, टोरंटो और किचनर में सत्संग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बाद वैंकूवर, सरी, ननाइमो और ब्रिटिश कोलंबिया के अन्य क्षेत्रों में भी सत्संग एवं ध्यान शिविर आयोजित किए जाने हैं। उनका कनाडा प्रवास पांच नवंबर तक प्रस्तावित है। फतेहाबाद स्थित श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम के वरिष्ठ संत और श्री गुरु मंदिर श्री नंगली तीर्थ, मेरठ के कोषाध्यक्ष स्वामी ध्यान प्रेमानंद महाराज का यह प्रवास विदेश में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को सनातन संस्कृति, गुरु परंपरा और आध्यात्मिक जीवन से जोडने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सत्संग के माध्यम से वे भारतीय संस्कृति के मूल विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

स्कूटी सवार युवक को हेरोइन सहित किया काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना भूना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सागर पुत्र राकेश निवासी ढक्की मोहल्ला, भूना को 7.48 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। पुलिस ने आरोपी की एक्टिवा स्कूटी भी कब्जे में ली है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक दिलबाग सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से फतेहाबाद रोड से बाबा रणधीर मोहल्ले की ओर गश्त कर रही थी। इसी दौरान स्कूटी सवार एक युवक पुलिस की गाड़ी को देखकर रास्ता बदलने का प्रयास करने लगा।

घर से सामान चोरी करने वाला बेटा गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने एक घरेलू चोरी के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपक पुत्र सतबीर सिंह निवासी गीता कालोनी, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1500 रुपये की नकदी भी बरामद की है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि गीता कालोनी टोहाना निवासी संतोष ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि उसका बेटा दीपक नशे का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए अक्सर उससे पैसे मांगता है। पैसे न देने पर वह घर में कलह और झगड़ा करता था तथा मौका पाकर घर से सामान चोरी करके ले जाता था।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी काबू

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अरुण कुमार पुत्र दिलबाग उर्फ बग्गा निवासी गांव कन्हेड़ी, के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा स्पलेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि गांव जुलेहड़ा निवासी सतीश कुमार ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, गत 29 अगस्त को वह अपने गांव के ही नरेश कुमार की मोटरसाइकिल लेकर टोहाना आया था।

फतेहाबाद की मंडियों में अब तक 54 प्रतिशत धान का ही उठान

3.13 में से 2.58 लाख टन की खरीद किसानों को 313 करोड़ का भुगतान

मंडियों में बढ़ रहा बोझ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले की मंडियों में धान की आवक और खरीद लगातार बढ़ रही है, लेकिन खरीदे गए धान का उठान पूरी तरह गति नहीं पकड़ पाया है। 24 अक्टूबर तक जिले में कुल 3,46,578 मीट्रिक टन धान की आवक दर्ज की गई है। इसमें से सरकारी खरीद एजेंसियों ने 2,58,306 मीट्रिक टन धान खरीदा है। वहीं, खरीदे गए धान में से 1,38,626 मीट्रिक टन का ही उठान हो पाया है, जबकि 1,19,680 मीट्रिक टन धान का उठान अभी बाकी है। यानी कुल खरीद का करीब 46.3 प्रतिशत धान अभी मंडियों से उठाया जाना शेष है। अब तक कुल खरीद का 54 प्रतिशत उठान हुआ है। एजेंसियों की ओर से कुल 228 राइस मिलों को कस्टम मिलिंग के लिए आवंटित किया गया है। रिपोर्ट में किसानों को अब तक 313.07 करोड़ रुपये का भुगतान दर्ज है।



अनाज मण्डी में लगी धान की ढेरियां

आवक के मुकाबले करीब 74.5 प्रतिशत धान

जिले में अब तक 3.46 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान मंडियों में पहुंच चुका है। इसमें से 2.58 लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई है। इस हिसाब से कुल आवक का करीब 74.5 प्रतिशत धान खरीदा जा चुका है। हालांकि, खरीद और उठान के बीच का अंतर 1.19 लाख मीट्रिक टन से अधिक है। उठान की यह लंबित मात्रा मंडियों से खरीदे गए धान को बाहर निकालने की चुनौती को दर्शाती है। 24 अक्टूबर को एक ही दिन में तीनों एजेंसियों ने कुल 29,367 मीट्रिक टन धान की खरीद की। इसमें एचडब्ल्यूसी ने 13,174 मीट्रिक टन, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 10,075 मीट्रिक टन और हैफेड ने 6,118 मीट्रिक टन धान खरीदा। वहीं, इसी दिन कुल 17,437 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

एचडब्ल्यूसी ने एक दिन में सबसे ज्यादा की खरीद

एक दिन की खरीद में एचडब्ल्यूसी सबसे आगे रही। एजेंसी ने 13,174 मीट्रिक टन धान खरीदा, जो तीनों एजेंसियों की कुल दैनिक खरीद का लगभग 44.8 प्रतिशत है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 10,075 मीट्रिक टन और हैफेड ने 6,118 मीट्रिक टन धान की खरीद की। हालांकि, कुल खरीद और उठान के मामले में हैफेड की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। हैफेड ने अब तक 97,213 मीट्रिक टन धान खरीदा है और इसमें से 58,806 मीट्रिक टन का उठान किया है।

जिले में 50 खरीद केंद्रों में से कई पर अब तक धान की खरीद शुरू नहीं

जिले की अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों में धान की आवक के बीच खरीद का काम सभी केंद्रों पर एक समान नहीं चल रहा है। 24 अक्टूबर तक जिले में कुल 50 खरीद केंद्रों की रिपोर्ट के अनुसार 34,870.48 मीट्रिक टन धान की आवक दर्ज की गई, जबकि कुल आवक 3,46,578.11 मीट्रिक टन रही। सरकारी एजेंसियों ने अब तक 2,58,306 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। रिपोर्ट में 50 केंद्रों में से कई ऐसे हैं, जहां अभी तक धान की आवक या खरीद दर्ज नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार अहरवां, हिंदालवाला, नांगला, रेहनवाली, एसपी सोतर, ठरवां, भट्टू कलां, पीली मंदोरी, किरढ़ान, ढाणी गोपाल और भिरड़ाना में कुल आवक और खरीद शून्य दर्ज की गई है। इनमें कुछ केंद्रों पर रिपोर्ट में खरीद के दिन निर्धारित हैं, लेकिन 24 अक्टूबर तक खरीद का आंकड़ा दर्ज नहीं हुआ। बाबनपुर और बहबलपुर में धान की आवक दर्ज की गई है, लेकिन खरीद शून्य है। इसी प्रकार भिरड़ाना में भी आवक और खरीद दोनों का आंकड़ा शून्य है। अब तक 28,575 किसानों से धान की खरीद दर्ज की गई है। तीनों एजेंसियों के माध्यम से किसानों को कुल 313.07 करोड़ रुपये का भुगतान दर्ज है। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से 104.23 करोड़ रुपये, हैफेड की ओर से 128.56 करोड़ रुपये और एचडब्ल्यूसी की ओर से 80.28 करोड़ रुपये का भुगतान दर्ज किया गया है। एजेंसीवार आंकड़ों में हैफेड ने सबसे अधिक 11,669 किसानों से खरीद दर्ज की है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के माध्यम से 11,495 और एचडब्ल्यूसी के माध्यम से 5,411 किसानों से खरीद दर्ज है। रिपोर्ट में किसानों की दैनिक और संचयी संख्या अलग-अलग कॉलम में दी गई है; इसलिए भुगतान और किसान संख्या को एजेंसीवार समझना जरूरी है। धान की कस्टम मिलिंग के लिए जिले में कुल 228 राइस मिलों को आवंटित किया गया है।



फतेहाबाद। डाइट मताना में सेमिनार को संबोधित करते नशामुक्ति टीम से सुंदरलाल।

विद्यार्थियों को नशे से बचाने का किया आह्वान

- डाइट मताना में शिक्षकों और प्राचार्यों के लिए जागरूकता सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नशामुक्त समाज के निर्माण और युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत उपनिरीक्षक सुंदर लाल के नेतृत्व में नशामुक्ति टीम ने गांव गिलाखेड़ा में जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ डाइट मताना में शिक्षकों एवं स्कूल प्राचार्यों के लिए दो अलग-अलग सेमिनार आयोजित किए। नशामुक्ति टीम ने गांव गिलाखेड़ा में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक किया। इस दौरान विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने नशे की समस्या से जूझ रहे उपचाराधीन व्यक्तियों का फालोअप लेकर उन्हें नियमित उपचार जारी रखने और नशामुक्त जीवन की ओर आगे बढने के लिए प्रोत्साहित किया। गांव गिलाखेड़ा के बाद नशामुक्ति टीम ने डाइट मताना में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान शारीरिक शिक्षा अध्यापकों और स्कूल प्राचार्यों के लिए दो अलग-अलग सेमिनार आयोजित किए।

खेलकूद से जोड़ने पर जोर

बच्चों की गतिविधियों पर सकारात्मक निगरानी रखने, उनसे नियमित संवाद करने और उन्हें खेलकूद व रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही, नशे की समस्या से प्रभावित विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए उन्हें उचित उपचार एवं काउंसलिंग से जोडने के उपाय भी साझा किए गए। उन्होंने सभी शिक्षकों और प्राचार्यों से आह्वान किया कि वे शिक्षण संस्थानों में नशाविरोधी जागरूकता को बढ़ावा दें तथा नशे की रोकथाम में पुलिस और प्रशासन का सक्रिय सहयोग करें।

प्रतियोगिता में सिमरन बनीं बेस्ट एथलीट

रतिया। एसडीएस राजकीय महिला महाविद्यालय, रतिया में दो दिवसीय 14वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हो गई है। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया और विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा व खेल भावना का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा सिमरन को प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्तियार सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज बहबलपुर के प्राचार्य प्रो. डॉ. बलदेव सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। सौ मीटर, दो सौ मीटर और चार सौ मीटर दौड़ में सिमरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आठ सौ मीटर और पंद्रह मीटर दौड़ में खुशप्रीत प्रथम रही।



शिक्षण सहायक सामग्री निर्माण पर कार्यशाला

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल शिक्षण महाविद्यालय, फतेहाबाद में इंटर्नशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम के अंतर्गत शिक्षण सहायक सामग्री निर्माण विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हिसार से आए मुख्य वक्ता डॉ. राजेश जांगड़ा ने विद्यार्थियों को शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली, रोचक एवं सरल बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. राजेश जांगड़ा ने अपने व्याख्यान में बताया कि शिक्षण सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सीखने में रुचि बढ़ाने, कठिन विषयों को सरलता से समझाने तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोगात्मक प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों को उनके निर्माण की विधियां समझाईं। उन्होंने बताया कि शिक्षक कम लागत वाली एवं उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके भी आकर्षक और उपयोगी शिक्षण सामग्री तैयार कर सकते हैं।

रंगोत्सव में चोपटा खंड का शानदार प्रदर्शन

चोपटा। रंगोत्सव कार्यक्रम 2026-27 के तहत सिरसा के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें जिले के सभी खंडों के प्रतिभागियों ने विभिन्न कला वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नाथूसरी चोपटा खंड के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया। पारंपरिक लोक संगीत वर्ग में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नाथूसरी चोपटा की मंजू शर्मा ने मस्त कलंदर सूफी कव्वाली की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शास्त्रीय संगीत वर्ग में राग भैरवी प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी।

जगजीवनपुरा पार्क में लगा शुगर-बीपी जांच शिविर, 85 लोगों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को जगजीवनपुरा गुरुद्वारे के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पार्क में सैर करने आए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कुल 85 लोगों के ब्लड प्रेशर और शुगर की निशुल्क जांच की गई। शिविर में सरबत दा भला संस्था की सन्नी ओबेराय लैब की ओर से लोगों को निःशुल्क शुगर और बीपी जांच की सुविधा प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड पार्षद मोहन लाल नारंग और संस्था की महिला विंग की संरक्षक वीना भ्याना ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महेंद्र मेहता, डॉ. सुमन बजाज और लैब टेक्नीशियन प्रेम कंबोज ने अपनी सेवाएं दीं। डॉ. महेंद्र मेहता और डॉ. सुमन बजाज ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना बेहद जरूरी है। नियमित जांच से शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का समय रहते पता लगाया जा सकता है।



फतेहाबाद। कैम्प में लोगों की स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक।

काटे गए 13 करोड़ वोट बहाल हों, मुख्य चुनाव आयुक्त को गिरफ्तार करें : माकपा

- माकपा की जिला बैठक संपन्न, लोकतंत्र व संविधान बचाने के लिए दिल्ली रैली की तैयारियों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

माकपा जिला कमेटी की बैठक शहीद ऊधम सिंह भवन फतेहाबाद में रामकुमार बहबलपुरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की महारैली की तैयारियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर विचार-विमर्श किया गया। माकपा जिला सचिव जगतार सिंह ने बताया कि माकपा इंडिया गठबंधन का एक प्रमुख घटक दल है और इस ऐतिहासिक रैली में फतेहाबाद जिले से हजारों की संख्या में लोग भाग लेंगे। माकपा ने आरोप लगाया कि गैर-कानूनी तरीके से एसआईआर लागू कर चुनाव आयोग ने भाजपा की कठपुतली की तरह काम किया है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। पार्टी ने मांग की कि गैर-कानूनी एसआईआर को तुरंत खत्म कर 13 करोड़ काटे गए वोटों को बहाल किया जाए, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा नया कानून रद्द हो।



फतेहाबाद। दिल्ली रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा करते माकपा नेता।

पुलिस शहीदी पखवाड़े के तहत हुआ रोमांचक क्रिकेट मैच

डीएसपी ने शहीदों के बलिदान को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस शहीदों की स्मृति में फतेहाबाद पुलिस द्वारा मनाए जा रहे पुलिस शहीदी पखवाड़े के तहत रविवार को पुलिस लाइन फतेहाबाद में एक रोमांचक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित कर नशामुक्ति का सकारात्मक संदेश देना था। इस अवसर पर डीएसपी जगदीश कुमार और थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मैदान पर खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आपसी तालमेल और टीम भावना देखने को मिली। मुकाबले के समापन पर डीएसपी जगदीश कुमार ने विजेता टीम को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया और सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। समारोह को संबोधित करते हुए डीएसपी जगदीश कुमार ने कहा कि देश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और आमजन की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर पुलिस जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।



फतेहाबाद। पुलिस लाइन में मैच का शुभारंभ करते डीएसपी जगदीश कुमार।

नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को करता बर्बाद

नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद कर देता है, जबकि खेल युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में करें। कार्यक्रम के अंत में वीर पुलिस शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया गया तथा शहीदों का सम्मान, नशामुक्त समाज का निर्माण का संदेश दिया गया।

खबर संक्षेप



भूना। यात्रा को रवाना करते हुए मुख्यअतिथि। फोटो : हरिभूमि

भगवान वाल्मीकि की महिमा का गुणगान

भूना। महर्षि भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में वाल्मीकि युवा संगठन की ओर से रविवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। हरियाणा सफाई आयोग के सदस्य चंद्रप्रकाश बोस्ती और नगर पालिका के पूर्व चेयरपर्सन प्रतिनिधि मेवा सिंह वाल्मीकि ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि की आकर्षक झांकी के साथ लव-कुश के पराक्रम को दर्शाया गया। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शोभायात्रा में लव-कुश की जोड़ी सफेद घोड़े के साथ चल रही थी। वहीं, श्रद्धालु वीर बजरंगबली और भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। वाल्मीकि समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

दीपक बांसल सर्वसम्मति से बने महासचिव

सिरसा। प्लाईवुड एसोसिएशन की रविवार को बैठक हुई जिसमें दीपक बांसल को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का महासचिव नियुक्त किया गया। साथ ही, एसोसिएशन के कार्यों को नियमित एवं सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से पांच सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस कार्यकारिणी में नितिन गोयल, शुभम गोयल, अशोक महेश्वरी, कमल एवं दीपक बांसल को कार्य कारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। यह कार्यकारिणी प्रधान, महासचिव, एवं कैशियर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए एसोसिएशन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में सहयोग करेगी।

श्री सालासर भंडारा ट्रस्ट ने लगाया 29वां भंडारा

सिरसा। श्री सालासर भंडारा ट्रस्ट, ओढां की ओर से धार्मिक आस्था और सेवा भावना के साथ सालासर धाम में भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सालासर बालाजी के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं को भोजन एवं प्रसाद वितरित किया गया। समिति के सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ सेवा कार्य में भाग लेते हुए श्रद्धालुओं की सेवा की। ओढां से भंडारे में गए ट्रस्ट सदस्य बग्गा नंबरदार, लखी ओढां, मनमोहन गोयल, डा. राकेश ओढां ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से पिछले 29 सालों से लगातार भंडारा आयोजित किया जा रहा है।

विद्यार्थियों ने सीखे आत्मनिर्भर बनने के गुण

ओढां। चौधरी देवी लाल अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान के फूड विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस 2026 का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। संस्थान के निदेशक- प्रधानाचार्य प्रो. जगदीश कुमार ने कहा कि भविष्य फूड टेक्नोलॉजी का है, इसलिए वे उत्कृष्ट फूड टेक्नोलॉजिस्ट बनकर देश के विकास में अपना योगदान दें। इस दौरान खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेंद्र सिंह संधू ने इस सहयोग के लिए नवीन शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फूड टेक्नोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी कंबोज, डॉ. सुधीर डागर, अशोक गर्ग रहे।

करवा चौथ की खरीदारी से गुलजार हुए बाजार, साड़ी-सूट से लेकर पायल की बड़ी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

करवा चौथ को लेकर महिलाओं में उत्साह बढ़ने के साथ ही फतेहाबाद के बाजारों में खरीदारी का रंग चढ़ने लगा है। कोई अपने परिधान के साथ मैचिंग चूड़ियां पसंद कर रही है तो कोई साड़ी-सूट और आकर्षक डिजाइन की ज्वेलरी खरीद रही है।

सर्राफा बाजार से लेकर कपड़ा मार्केट, कॉस्मेटिक दुकानों और ब्यूटी पार्लरों तक त्योहार की तैयारियों का असर दिखाई देने लगा है। इस बार सोने-चांदी की ऊंची कीमतों के बीच हल्के वजन के गहने महिलाओं की पसंद बने हुए हैं। 29 अक्टूबर को मनाए जाने वाले करवा चौथ के लिए महिलाओं ने अभी से खरीदारी शुरू कर दी है।

■ महंगाई के बीच हल्के वजन के गहनों पर महिलाओं का जोर, मैचिंग चूड़ियों और श्रृंगार के सामान की भी खूब हो रही बिक्री

शहर के बिचला बाजार, बिजली घर गेट और महावीर घाटी सहित प्रमुख बाजारों में कपड़ों और श्रृंगार के सामान की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही है।

वहीं, बाजारों में करवा बेचने के लिए रेहड़ी-ठेले भी सजने लगे हैं। दुकानदार अलग-अलग डिजाइन और सजावट वाले करवे लेकर पहुंचे हैं। इस बार बाजार में करवा चौथ पर पूजा के लिए दम्पति के फोटो लगी थाली का काफी क्रेज देखा जा रहा है।





फतेहाबाद। करवा चौथ पर हाथों पर मेहंदी लगवाती महिलाएं तथा करवा चौथ पर बनाई गई दम्पति की फोटो लगी थाली।

मेहंदी और ब्यूटी पार्लरों में भी बढ़ने लगी तैयारी

करवा चौथ पर सजने-संवरने की तैयारी भी खरीदारी का अहम हिस्सा है। महिलाएं हाथों पर मेहंदी लगवाने और त्योहार के दिन तैयार होने के लिए ब्यूटी पार्लरों में एडवांस बुकिंग करवा रही हैं। त्योहार के दिन भीड़ से बचने के लिए पहले से समय तय किया जा रहा है। बाजारों में अभी से बढ़ती रौनक को देखते हुए कारोबारियों को त्योहार के अंतिम दिनों में ग्राहकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में कपड़ों, ज्वेलरी, चूड़ियों, मेहंदी और कॉस्मेटिक सामान की दुकानों पर खरीदारी का उत्साह और बढ़ सकता है।

महंगे गहनों के बीच लाइटवेट ज्वेलरी पहली पसंद

करवा चौथ पर गहनों की खरीदारी को लेकर महिलाओं में खास उत्साह रहता है। हालांकि, सोने-चांदी की कीमतें अधिक होने के कारण इस बार खरीदारी में बजट का ध्यान भी रखा जा रहा है। महिलाएं भारी सेट के बजाय हल्के वजन के डिजाइनर गहनों को प्राथमिकता दे रही हैं। मंगलसूत्र, चेन, झुमके, अंगूठी और चूड़ियों के साथ चांदी की पायल व बिछिया जैसी ज्वेलरी की भी मांग बनी हुई है। खरीदारी कर रहीं श्रुति, वैष्णवी, डिंपल और ममता ने बताया कि करवा चौथ उनके लिए खास त्योहार है। ऐसे में इस अवसर पर खरीदारी करना परंपरा और उत्साह दोनों से जुड़ा है। सोने-चांदी के दाम बढ़ने के कारण वे ऐसे गहने पसंद कर रही हैं, जो बजट में होने के साथ-साथ डिजाइन में भी आकर्षक हों।

साड़ी-सूट के साथ मैचिंग चूड़ियों की तलाश

करवा चौथ के श्रृंगार में कपड़ों और चूड़ियों का भी खास महत्व है। महिलाएं अपनी साड़ी और सूट के रंग के अनुसार चूड़ियां पसंद कर रही हैं। बाजार में पारंपरिक रंगों के साथ नए डिजाइन और आकर्षक रंगों वाले परिधानों की मांग दिखाई दे रही है। बंधेज के कपड़ों के अलावा विभिन्न डिजाइन की साड़ियों और सूट की खरीदारी भी की जा रही है। कपड़ों के साथ मैचिंग चूड़ियां, बिंदी, मेहंदी और अन्य श्रृंगार सामग्री खरीदने के लिए महिलाएं दुकानों पर पहुंच रही हैं। त्योहार के नजदीक आने के साथ इन सामानों की बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है।

रतिया के कई गांवों में ओलावृष्टि से हजारों एकड़ फसल हुई बर्बाद

प्रति एकड़ में 61 से 80 फीसदी तक नुकसान, हड़ौली सर्कल सबसे ज्यादा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद/रतिया

रतिया उपमंडल में शनिवार रात तेज हवाओं के साथ हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया। 25 से अधिक गांवों में धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन के शुरुआती आकलन में 12 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में फसल खराब होने की रिपोर्ट सामने आई है। इनमें करीब 4500 एकड़ में 61 से 80 फीसदी तक नुकसान का आकलन किया गया है। कई गांवों में कटाई के लिए तैयार धान की फसल जमीन पर बिछ गई, जबकि ओलों की मार से बालियां टूटकर पानी और कीचड़ में गिर गईं। सबसे ज्यादा नुकसान हड़ौली सर्कल के गांवों में सामने आया है। दादूपुर, हड़ौली और जल्लोपुर में सैकड़ों एकड़ फसल प्रभावित हुई है। घासवा में 70 से 80 फीसदी और भरपूर के कुछ खेतों में लगभग पूरी फसल बर्बाद होने की बात कही जा रही है। प्रशासन ने पटवारियों को नुकसान की रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। विधायक जरनैल सिंह ने भी प्रभावित गांवों का दौरा कर किसानों से बातचीत की। वहीं, किसान संगठनों ने विशेष गिरदावरी और मुआवजे की मांग उठाते हुए 26 और 27 अक्टूबर को एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन देने का ऐलान किया है।





रतिया। ओलावृष्टि से खराब हुई फसलें व दादुपुर ढाणी में ओलावृष्टि से खराब हुई फसल का जायजा लेते हुए विधायक जरनैल सिंह तथा बरसात । फोटो : हरिभूमि

हड़ौली सर्कल के तीन गांवों में 3200 एकड़ प्रभावित

प्रशासन की शुरुआती खराबा रिपोर्ट के अनुसार हड़ौली सर्कल के गांवों में ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। दादूपुर में करीब 1000 एकड़, हड़ौली में 1100 एकड़ और जल्लोपुर में 1100 एकड़ क्षेत्र में फसल प्रभावित होने का आकलन किया गया है। इन गांवों में शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार करीब 75 से 80 फीसदी तक नुकसान बताया गया है। अलावलवास में लगभग 400 एकड़ क्षेत्र में 50 से 70 फीसदी तक नुकसान सामने आया है। रतनगढ़ कानूनगोई के रत्ताखेड़ा में करीब 700 एकड़ फसल प्रभावित हुई है, जहां 50 से 60 फीसदी तक खराबे का अनुमान है। रतिया कानूनगोई क्षेत्र के लाली, सहनाल और मुंशीवाली में भी फसलें प्रभावित हुई हैं। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार लाली में करीब 350 एकड़, सहनाल में 400 एकड़ और मुंशीवाली में 800 एकड़ क्षेत्र में नुकसान दर्ज किया गया है।

विधायक सिंह ने प्रभावित गांवों का किया दौरा

विधायक जरनैल सिंह ने रविवार को ओलावृष्टि प्रभावित दादूपुर, दादूपुर ढाणी, हड़ौली, नागपुर और घासवा सहित कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने खेतों में जाकर फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने विधायक के सामने खराब हुई फसलों की जल्द गिरदावरी करवाने और राहत राशि जारी करने की मांग रखी। विधायक ने आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

बरसात से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा देने की मांग



सिरसा। भारतीय किसान एकता के प्रधान लखविंद्र सिंह ने जिले के कई क्षेत्रों में बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की सरकार से भरपाई की मांग की है। उन्होंने रानियां ब्लॉक के गांव नानूआना में पीड़ित किसानों के खेतों का दौरा कर ओलावृष्टि से बर्बाद हुई धान की पकी फसलों का जायजा लिया। इस दौरान किसान कुलदीप सिंह, अंग्रेज सिंह और शेरबाज सिंह के खेतों की स्थिति देखते हुए औलख ने कहा कि ओलावृष्टि की मार से धान की फसल की बालियां पूरी तरह झड़ चुकी हैं और उत्पादन बहुत कम रहेगा। प्रशासन और सरकार की अनदेखी पर तंज कसते हुए औलख ने कहा कि अगर किसान खेत में चाय बनाने के लिए जरा सी आग भी जलाता है, तो सैटेलाइट और पूरा प्रशासनिक अमला (कृषि विभाग, राजस्व विभाग, प्रदूषण विभाग और पुलिस) कुछ ही मिनटों में खेत में पहुंच जाता है। उन्होंने ने खराबे से प्रभावित किसानों को आगाह करते हुए बताया कि जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसलों का बीमा करवाया हुआ है, वे तुरंत टोल-फ्री नंबर 14447 पर कॉल करके अपने नुकसान की शिकायत दर्ज करवाएं। वहीं जिन किसानों ने बीमा नहीं करवाया है, राजस्व विभाग मौके का गिरदावरी/आकलन करेगा।

न्यूज डायरी

गांव केलनिया के स्वर्गधाम में चलाया सफाई अभियान



सिरसा। जिले के गांव केलनिया के युवाओं ने सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए गांव के स्वर्गधाम में सफाई अभियान चलाया। राजेश सिंहमार ने बताया कि युवाओं की इस पहल का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के दौरान युवाओं ने मिलकर स्वर्गधाम परिसर की सफाई की तथा लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। पूर्व सरपंच सुभाष किरोड़ीवाल ने कहा कि स्वर्गधाम एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है, जहां साफ-सफाई बनाए रखना बेहद आवश्यक है। ऐसे स्थानों की स्वच्छता का ध्यान रखना हम सभी का कर्तव्य है।

तीन शिक्षकों को मिला 'विलक्षणा समाज सारथी सम्मान



चोपटा। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सिरसा जिले के तीन शिक्षकों पंजाबी अध्यापक पंकज कुमार, लखविंद्र सिंह तथा रसायन विज्ञान प्राध्यापक डॉ. नवनीत चांडक को 'विलक्षणा समाज सारथी सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। रोहतक के पंडित लख्मीचंद यूनिवर्सिटी के मिनी ऑडिटोरियम में 25 अक्टूबर को आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन एवं भूविज्ञान मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार उपस्थित रहे। तीनों शिक्षकों की इस उपलब्धि से सिरसा जिले के शैक्षणिक जगत में खुशी का माहौल है। यह सम्मान शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज निर्माण में उनके योगदान को मिली पहचान है।

ओढ़ा में सरकारी बीज बिक्री केंद्र का उद्घाटन



ओढां। हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा ने रविवार को नई अनाज मंडी ओढ़ा की दुकान नंबर 15 पर सरकारी बीज बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा ने की। इस अवसर पर देव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में सरकार किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर डॉ. भीम सेन शर्मा, पवन गर्ग, हरजिंदर सिंह जंडवाला मंडल अध्यक्ष, सतेंद्र गर्ग जिला उपाध्यक्ष, हनुमान गर्ग चोरमार, जगदीश सिंह चोरमार, सुनील वर्मा मैनेजर, असिस्टेंट मार्केटिंग ऑफिसर संजू डूडी, विकास शर्मा, हरमन सिंह, सेल्समैन आत्मा राम आदि उपस्थित रहे।

किसानों का अरबों रूपये का भुगतान अटका: केडिया

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नवीन केडिया ने प्रदेश की मंडियों से धान का उठान न होने को लेकर गहरी चिंता जाहिर की है। प्रदेश के 88 हजार से अधिक किसानों का अरबों रुपए का भुगतान अटकने से त्योहारी सीजन में उन्हें हो रही परेशानी पर भी उन्होंने सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। यहां जारी बयान में नवीन केडिया ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के हितों की बात करती है लेकिन उसे किसानों से कोई सरोकार नहीं है। मंडियों में 14.40 लाख टन धान पड़ा हुआ है और बरसात से भीग चुका है। उन्होंने कहा कि 72 घंटे में किसानों को पेमेंट का नियम है लेकिन 8-10 दिनों में भी भुगतान न होने की वजह से किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दशहरा पर्व पर किसानों को पेमेंट नहीं हुई। अब दीपावली का बड़ा त्योहार आने वाला है। त्योहारी सीजन में किसान को भुगतान न होने पर वे कैसे त्योहार मनाएंगे, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि किसानों सहित हर वर्ग के कल्याण को लेकर इस सरकार की कार्यशैली सदैव सवालों के घेरे में रही है। हर वर्ग को अपनी मांगें मनवाने के लिए हड़ताल का सहारा लेना पड़ता है। रोडवेज, बिजली, सफाई कर्मचारियों की हड़तालें इसका उदाहरण हैं।

मेगा हेल्थ चेकअप कैंप में हुई 105 मरीजों की जांच

सिरसा। हुडा रेजिडेंट्स सीनियर सिटिजंस वेलफेयर ट्रस्ट, सिरसा द्वारा रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप लगाया जिसमें 105 मरीजों की जांच की गई। विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। कैंप में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राजपाल सिंह, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. तनुज मेहता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नवनीत कौर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुषि डूमरा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. नंदिनी बंसल तथा डॉ मोहित सुथार ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कैंप के दौरान मरीजों की स्वास्थ्य जांच उपरांत उनकी बीमारी अनुसार उन्हें निशुल्क दवाएं भी एसपीएस अस्पताल द्वारा दी गई। जरूरतमंद मरीजों के खून का परीक्षण वेदा इंडिया पैथ लैब द्वारा किए गए। उपस्थित लोगों को विभिन्न बीमारियों से बचाव, समय पर उपचार के बारे में भी जागरूक किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र मिगलानी ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों एवं वरिष्ठ नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना ट्रस्ट की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इस मौके पर ट्रस्ट के महासचिव सतनाम कांबोज, सचिव विनोद कुमार जग्गा, कोषाध्यक्ष कैलाश गुप्ता, घनश्याम मित्तल, टेकचंद, राजपाल सिंह, दिनेश कालरा तथा उपप्रधान डॉ अमृतपल आदि रहे।

गुम्मटसर स्पोर्ट्स एकेडमी में खेल प्रतियोगिता

■ अमृत, दलीप, कणिका और रमनदीप बने बेस्ट एथलीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

श्री गुम्मटसर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट रतिया के तत्वावधान में बाईपास स्थित गुम्मटसर स्पोर्ट्स एकेडमी के खेल मैदान में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कोच दंपती हरदीप सिंह बोला और छिंद्रपाल कौर की देखरेख में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे युवा खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा व दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर लड़कों के वर्ग में अमृत सैनी व दलीप बोहरा तथा लड़कियों के वर्ग में कणिका व रमनदीप कौर को संयुक्त रूप से बेस्ट एथलीट चुना गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स. परमिन्द्र सिंह बोला कमाणा और परमपाल सिंह नथवान ने शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई की। अंडर-10 लड़कों की 100 मीटर रेस में अमृत सैनी ने पहला, गुरविन्द्र सिंह ने दूसरा, कबर बोला ने तीसरा और आयुष कुमार ने चौथा स्थान प्राप्त किया। लॉन्ग जंप में अमृत सैनी प्रथम, पवन बोहरा द्वितीय, बगादू सिंह तृतीय और दिलप्रीत सिंह चौथे स्थान पर रहे। बैक थ्रो में गुरदित सिंह पहले, कार्तिक दूसरे, कर्ण सिंह तीसरे और जुझार चौधरी चौथे स्थान पर रहे।



रतिया। खेल प्रतियोगिता में भाग लेते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि



जैन धर्म के 32 पवित्र आगमों की भव्य यात्रा निकाली

रानियां। जैन धर्म की आध्यात्मिक परंपरा, अहिंसा के संदेश और धार्मिक आस्था का अनुपम दृश्य रविवार को रानियां में देखने को मिला। एसएस जैन सभा रानियां द्वारा महासाध्वी वृष्टि महाराज के सानिध्य में जैन धर्म के 32 पवित्र आगमों की भव्य यात्रा निकाली गई। श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति से परिपूर्ण इस आयोजन में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं सहित विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह आठ बजे एसएस जैन सभा से आरंभ हुई आगम यात्रा बीडीओ कार्यालय रोड, नानुआना रोड, शहर के प्रमुख बाजारों और भगत सिंह चौक से गुजरते हुए जैन धर्मशाला पहुंची। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण जैन धर्म के जयघोष, मंगलगान और भक्ति संगीत से गुंजायमान रहा। बैंड-बाजे की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालुओं ने पवित्र आगमों को पूरे सम्मान और श्रद्धाभाव के साथ धर्मशाला तक पहुंचाया। यात्रा में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली से आए श्रावक-श्राविकाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। श्रद्धालु भजन, मंगलगान और नृत्य के माध्यम से अपनी धार्मिक आस्था व्यक्त करते हुए आगे बढ़ते रहे। महासाध्वी श्री वृष्टि जी महाराज ने आगम साहित्य की महत्ता पर प्रकाश डाला।

अलीका के युवा चित्रकार कृष्ण ने प्रदेश स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता के टॉप-10 में बनाई जगह

रतिया। अग्रवाल वैश्य समाज, हरियाणा प्रदेश द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में उपमंडल के गांव अलीका के युवा चित्रकार कृष्ण कुमार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनकी बेहतरीन पेंटिंग ने प्रदेशभर से पहुंचे कलाकारों के बीच मुकाबला करते हुए टॉप-10 में शानदार जगह बनाई है। प्रदेशभर से प्राप्त हजारों चित्रों के कड़े मूल्यांकन के बाद घोषित इन परिणामों में फतेहाबाद जिले से चयनित पांच प्रतिभागियों में कृष्ण कुमार भी शामिल हैं। अब इन चयनित टॉप-10 प्रतिभागियों में से अंतिम टॉप-5 विजेताओं का चयन ऑनलाइन वोटिंग के जरिए किया जाएगा। इस सफलता के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है और कला प्रेमियों द्वारा युवा चित्रकार को लगातार बधाइयां दी जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि युवा चित्रकार कृष्ण कुमार इससे पहले भी अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

किसानों का बकाया भुगतान शीघ्र जारी करे सरकार: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा की मंडियों में धान उठान में देरी और भुगतान अटकने से किसान आर्थिक संकट झेल रहे हैं। करीब 88 हजार किसानों का 2,148 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित होना गंभीर चिंता का विषय है। सरकार 72 घंटे में भुगतान के नियम का पालन सुनिश्चित करे। मंडियों से धान का तत्काल उठान करवाया जाए और सभी किसानों के बैंक खातों में बकाया राशि बिना देरी जमा करवाई जाए। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा व फतेहाबाद जिलों के अनेक गांवों में बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी धान व कपास की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। मंडियों में किसानों की भीगी और खराब हुई फसल की भी सरकार भरपाई करे। सांसद ने मांग की कि सरकार तत्काल विशेष गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दे।

लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर हुआ परिसर, निकाली शोभायात्रा

सीडीएलयू में त्रिवेणी युवा महोत्सव का आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में रविवार को 13वें त्रिवेणी युवा महोत्सव-2026 का आगाज हुआ। 'युवा उमंग, संस्कृति के संग' की थीम पर आयोजित महोत्सव में विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों तथा 35 संबद्ध महाविद्यालयों की टीमों की भागीदारी ने युवा प्रतिभाओं के उत्साह और सांस्कृतिक विविधता को जीवंत रूप दिया। युवा महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक शोभायात्रा में शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज, सिरसा ने प्रथम स्थान हासिल किया। एमएम कॉलेज, फतेहाबाद की टीम दूसरे और मेजबान विश्वविद्यालय सीडीएलयू की टीम तीसरे स्थान पर रही। पंडित लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (सुपवा) के कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, रचनात्मक सोच विकसित करने और सामूहिक रूप से कार्य करने का अवसर प्रदान करते हैं।







सिरसा। सांस्कृतिक शोभायात्रा को रवाना करते अतिथि, प्रतियोगिता में भाग लेती प्रतिभागी तथा सांस्कृतिक शोभायात्रा में प्रथम रही टीम को सम्मानित करते हुए।

मुख्य मंच पर लोक परंपराओं और शास्त्रीय नृत्य का संगम : मुख्य सभागार में उद्घाटन समारोह के साथ कोरियोग्राफी, लोक वाद्यवृंद और शास्त्रीय नृत्य से जुड़ी प्रस्तुतियां कार्यक्रम का हिस्सा रहीं। इन कला विधाओं ने भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं की विविधता और मंचीय अभिव्यक्ति की संभावनाओं को रेखांकित किया। लोक संगीत और शास्त्रीय नृत्य जैसी विधाएं युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ उनकी कलात्मक प्रतिभा को निखारने का माध्यम भी बनती हैं।